**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 28-06-2022**

**उधम सिंह नगर(उत्तराखंड ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-06-28 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2022-06-29 | 2022-06-30 | 2022-07-01 | 2022-07-02 | 2022-07-03 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 5.0 | 10.0 | 2.0 | 5.0 | 2.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 35.0 | 33.0 | 31.0 | 32.0 | 33.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 25.0 | 24.0 | 23.0 | 23.0 | 23.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 90 | 90 | 90 | 85 | 85 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 50 | 55 | 55 | 50 | 50 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 12.0 | 16.0 | 14.0 | 12.0 | 12.0 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 100 | 120 | 120 | 110 | 100 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 6 | 6 | 7 | 8 | 8 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों ( 21 - 27 जून , 2022) में 19.2 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहा तथा कहीं-कहीं बादल छाये रहें। अधिकतम तापमान 34.0 से 39.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 24.4 से 28.4 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 68 से 89 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 31 से 63 प्रतिशत एवं हवा 3.0 से 10.1 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूर्व-उत्तर-पूर्व, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम व पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में कहीं-कहीं बूंदा-बांदी या हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 31.0 से 35.0 व 23.0 से 25.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 12.0-16.0 किमी/घंटे की गति से पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 3 से 9 जुलाई के दौरान राज्य में वर्षा, न्यूनतम तथा अधिकतम तापमान समान्य रहने का अनुमान हैं।

## सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| उत्तराखंड जिले में मानसून का आगमन होने वाला है अतः मानसून की पहली बारिश में पशुओं को न भीगने दें ताकि उन्हें त्वचा सम्बन्धी विकार न हों।

## लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में कहीं-कहीं बूंदा-बांदी या हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। किसान भाई धान की रोपाई से पूर्व खेत मे सिंचाई के लिए नाली तथा जल निकास की समुचित व्यवस्था करें।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | बासमती एवं सुगधित धान की पौध 30 जून तक डाले। धान की पौध मे 4-5 पत्ति हो जाय तो इनकी रोपाई कर सकते है। यह अवस्था जल्दी पकने वाली प्रजातियो मे 18 दिन बाद तथा मध्यम अवधि की प्रजातियो मे 20-25 दिन बाद पर आती है। धान की पौधशाला मे पौध उखाड़ने से 24 घंटा पहले 4-6 सेमी0 पानी भरना चाहिए। एक-एक पौध को सावधानी से उखाड़े तथा जड़ की धुलाई कर उसकी अविलम्ब रोपाई करे। खेत मे कीचड़ बनाना शुरु करने से 15 दिन पहले खेत की सिंचाई करें ताकि खरपतवारो का जमाव हो जाये। फिर खेत मे कीचड़ बनाने से 10-12 घंटा पहले पानी भर कर ट्रकटर में केज व्यूल तथा खुटी दार हैरो से 2-3 बार जुताई करे। पाटा लगाकर खेत को समतल करे। लेव लगाने के 10-15 घंटे बाद रोपाई करें। |
| सोयाबीन | सोयाबीन की बुवाई का भावर एवं तराई में उपयुक्त समय जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई प्रथम सप्ताह तक है। सोयाबीन की उन्नत प्रजातियों पी एस- 1024, पी एस- 1042, पी एस- 1092, पी एस 1241, पी एस 1347, पी एस 1225, पी एस 19 आदि का प्रयोग करें। बीज दर 75किग्रा/है0 रखें। बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। |
| मूँगफली | मूंगफली की उन्नतशील प्रजातियों- टा0 64, चन्द्रा, कौशल, प्रकाश, अम्बर आदि की बुवाई पूर्ण करें। बीज दर 60-70 कि0 ग्रा0/है0 रखें। पंक्तियों से पंक्तियों की दूरी 30-45 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 10-20 सेमी रखें। उर्वरको में नत्रजन 20 किग्रा0, फास्फोरस 40 किग्रा0 और पोटाश 45 किग्रा0/है0 तथा 200 किग्रा0 जिप्सम व 4 किग्रा0 बोरेक्स का प्रयोग करे। |
| गन्ना | गन्ने की फसल में जलभराव वाले खेतों में जल निकास की व्यवस्था करें| माह के प्रथम सप्ताह में जड़ों पर हल्की मिट्टी चढ़ायें। फसल बढ़वार अच्छी होने पर 5 फीट की ऊंचाई पर बंधाई कर लें। |
| भिण्डी | वर्षाकाल में 10-12 किग्रा भिण्डी के बीज की आवश्यकता होती है। बोने से पहले बीज का उपचार कवकनाशी दवा से करें बीज बुवाई की दूरी कतार से कतार 60 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी रखें तथा शेष पौधों को उखाड़ दें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| कद्दू | कद्दु वर्गीय फसलों की पत्तियो पर अनियमित आकार में पीले धब्बे दिखाई पड़ने पर पत्तियो को उलटकर निरीक्षण करें यदि निचली सतह पर हल्के धूसक रंग की फॅफूदी की बढ़वार दिखाई दे तो नियत्रंण के लिए मेन्कोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें। |
| आम | आम की मध्यम अवधि मे पकने वाली किस्मो की तुड़ाई प्रारम्भ करे। आम की तुड़ाई प्रातः अथवा सांयकाल में फलो की लगभग 8-10 मि0मी0 डंठल सहित तुड़ाई करे।तुड़ाई किये जाने वाले फलो को सीधे मिट्टी के सम्पर्क में नही आने देना चाहिए । भण्डारण से पूर्व फलो को साफ पानी से धोकर छॉव मे पूरी तरह सुखा लें। शीत ग्रह में दशहरी प्रजाति को 12 डिग्री सेल्सियस एवं लंगड़ा को 15 डिग्री सेल्सियस पर भण्डारित करना चाहिए। |
| मिर्च | मिर्च की फसल में ऊपर से डन्ठल काले पड़कर सूखने की समस्या की निदान हेतु संक्रमित शाखाओं को तोड़कर हटा दें एवं फल सड़न की समस्या हेतु कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| भेंस | पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज घूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकि इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें। |

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज धूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकि इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें। |